ASHA ARCHIVES

340

मानियूहि॥ॐउमापतिवरमा॥ॐअथेमानष्टोविमृवा॥
नालमेतिदीर्घसानिजत्वअतिकृत्रअतिकृगञ्जति॥
गुरुजअकृलाअतिकृत्वअतिलानमेवअमृजावृजक्ष॥
ॐजाजायतांमागधंपृथ्वीदानवफोवामृजावृजक्ष॥
ॐजागावयाॐविष्णवेथ्रुाॐनमावरूल्याॐजम्॥
ख्यामा॥ॐअक्षावाजञ्चिाॐजाथेदिलेखाहावाथेदिलेखा॥
स्वाहादिलेथेदिलेखाहावाथेदिलेखाहाउथेदिलेखा॥
हावाथेदिलेखाहाउदीथेदिलेखाहावाथेदिलेखाहाउद्धा॥

येदिजेस्वाहावाथेदिजेखाहा॥ॐतियूजनं॥ ॥ॐन्डादिद
गलाकृवातसर्वदवतानेवअदलनं॥ॐअन्नयतना॥ ॥मू
जनंदवादीनत्रावृक्षादीनयथायथावदनजतसंकल्प॥
॥महायाकृतोघृतदीपवैदिकशमं॥ॐपूर्णतादेवल
असामप्राणन्युवअचक्षःअमृतंयअत्रगोडासकिया
मंयीप्राणायालेस्वाहा॥यन्मेछिद्रंचनमृकृत्यातिर्मातकः
क्षणुःशन्नाएवउरुवनस्ययस्यति॥२॥ॐदृशुवास्त॥३॥
ॐकयानश्चित्रआभुवदूतिसदावृधःसखा॥कयाशचि

दृया इृगा॥ ४॥ ॐ कल्मासग्रीवाय नमः किंशिलाय नमः कुविन्दाय
नमः शितिकण्ठाय नमः कपर्दिने नमः कुलुञ्चाय नमः सेनान्ये
नमः॥ ५॥ ॐ हरिकेशायोपवीतिने नमो बभ्लुशाय नमो हरिकेशाय
नमः॥ ६॥ ॐ सेनान्ये नमो रथिने नमो वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः
पशूनां पतये नमः॥ ७॥ ॐ हरिकेशायोपवीतिने नमः पुष्टानां
पतये नमो भूतानां पतये नमः॥ ८॥ ॐ भवाय देवाय नमः
शर्वाय पशुपतये नमो रुद्राय नमः॥ ९॥ ॐ उग्राय नमो भीमाय
नमोऽग्रेवधाय नमो दूरेवधाय नमो हन्त्रे नमो हनीयसे नमः॥
१०॥ ॐ वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः पशूनां पतये नमो नीलग्रीवाय
शितिकण्ठाय नमः॥ ११॥ ॐ कपर्दिने नमः कुलुञ्चाय नमः
सेनान्ये नमो रथिने नमः॥ १२॥ ॐ सेनान्ये नमो रथिने नमो
वृक्षेभ्यो हरिकेशेभ्यः पशूनां पतये नमो भवाय देवाय नमः
शर्वाय पशुपतये नमः॥ १३॥ ॐ हिरण्यबाहवे सेनान्ये दिशां
पतये नमो दुन्दुभ्याय हन्त्रे हनीयसे नमो धृष्णवे प्रमृशाय
वधाय नमो निषङ्गिणे॥ १४॥ ॐ इषुधिमते तस्कराणां पतये
नमो मुष्णतां पतये नमो निचेरवे परिचरायारण्याय नमः॥
१५॥ ॐ सानुष्कायाकृत्याय नमः प्रकृत्याय नमः किंशिलाय
वनेचराय नमः॥ १६॥ ॐ इषुमते धन्विने प्रतिदधानेभ्यो
विसृजते नमः॥ १७॥ ॐ आतन्वानेभ्यः प्रतिदधानेभ्य

उद्यतेभ्यो नमः॥ १८॥ ॐ आयच्छद्भ्यो विसृजद्भ्यो विध्यद्भ्यो
विद्यद्भ्यो नमः॥ १९॥ ॐ सुकृद्भ्यो नमः कर्तृभ्यो नमः॥
२०॥ ॐ उत्पतद्भ्यो निपतद्भ्यो नमः॥ २१॥ ॐ गृध्रेभ्यो
नमः॥ २२॥ ॐ ब्रह्मजनद्भ्यो नमो ब्रह्मपतिभ्यो नमो
देवश्रीभ्यो नमो देवपुरेभ्यो नमः॥ २३॥ ॐ ब्रह्मभ्यो नमः
॥ २४॥ ॐ ब्रह्मपतिभ्यो नमः॥ २५॥ ॐ देवश्रीभ्यो नमः
॥ २६॥ ॐ देवपुरेभ्यो नमः॥ २७॥ ॐ वनेभ्यो नमो
वनपतिभ्यो नमो मन्त्रिभ्यो नमः॥ २८॥ ॐ वाणिजेभ्यो
नमो भीमेभ्यो नमः॥ २९॥ ॐ अन्नेभ्यो नमो धनपतिभ्यो
नमः॥ ३०॥ ॐ प्रविवधिनीभ्यो नमः॥ ३१॥ ॐ उच्चैर्घोषिणे
नमः॥ ३२॥ ॐ आक्रन्दयते नमः॥ ३३॥ ॐ सेनाभ्यो नमः
॥ ३४॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ३५॥ ॐ रथिभ्यो नमः
॥ ३६॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ३७॥ ॐ छत्रिणे नमः॥
३८॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ३९॥ ॐ सुरूपकृत्नवे नमः
॥ ४०॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ४१॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः
॥ ४२॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ४३॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ४४॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ४५॥ ॐ मीढुषे नमः
॥ ४६॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ४७॥ ॐ गिरिशयाय नमः
॥ ४८॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ४९॥ ॐ मीढुष्टमाय नमः
॥ ५०॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ५१॥ ॐ ह्रस्वाय नमः॥
५२॥ ॐ वामनाय नमः॥ ५३॥ ॐ बृहते नमः॥ ५४॥ ॐ वर्षीयसे
नमः॥ ५५॥ ॐ वृद्धाय नमः॥ ५६॥ ॐ संवृधे नमः॥
५७॥ ॐ अग्नये नमः॥ ५८॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ५९॥ ॐ
आशवे नमः॥ ६०॥ ॐ अजिराय नमः॥ ६१॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ६२॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ६३॥ ॐ ऊर्म्याय नमः
॥ ६४॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ६५॥ ॐ वर्ष्याय नमः॥
६६॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ६७॥ ॐ मेघ्याय नमः॥
६८॥ ॐ विद्युते नमः॥ ६९॥ ॐ वर्षते नमः॥ ७०॥ ॐ
पुरुषाय नमः॥ ७१॥ ॐ हरिकेशाय नमः॥ ७२॥ ॐ मुञ्जकेशाय
नमः॥ ७३॥ ॐ भूरेवताय नमः॥ ७४॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः
॥ ७५॥ ॐ कपर्दिने नमः॥ ७६॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥
७७॥ ॐ सेनाभ्यो नमः॥ ७८॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥
७९॥ ॐ रथिभ्यो नमः॥ ८०॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥
८१॥ ॐ छत्रिणे नमः॥ ८२॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥
८३॥ ॐ सुरूपकृत्नवे नमः॥ ८४॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥
८५॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः॥ ८६॥ ॐ हिरण्यकवचाय
नमः॥ ८७॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय नमः॥ ८८॥ ॐ सहस्राक्षाय
नमः॥ ८९॥ ॐ मीढुषे नमः॥ ९०॥ ॐ शतधन्वने नमः
॥ ९१॥ ॐ गिरिशयाय नमः॥ ९२॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः
॥ ९३॥ ॐ मीढुष्टमाय नमः॥ ९४॥ ॐ शिवतमाय नमः
॥ ९५॥ ॐ ह्रस्वाय नमः॥ ९६॥ ॐ वामनाय नमः॥
९७॥ ॐ बृहते नमः॥ ९८॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ९९॥ ॐ
वृद्धाय नमः॥ १००॥ ॐ संवृधे नमः॥ १०१॥ ॐ अग्नये
नमः॥ १०२॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ १०३॥ ॐ आशवे नमः
॥ १०४॥ ॐ अजिराय नमः॥ १०५॥ ॐ शीघ्रियाय नमः
॥ १०६॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ १०७॥ ॐ ऊर्म्याय नमः
॥ १०८॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ १०९॥ ॐ वर्ष्याय नमः
॥ ११०॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ १११॥ ॐ मेघ्याय नमः
॥ ११२॥ ॐ विद्युते नमः॥ ११३॥ ॐ वर्षते नमः॥
११४॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ११५॥ ॐ हरिकेशाय नमः
॥ ११६॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ११७॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ११८॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ११९॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ १२०॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ १२१॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ १२२॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ १२३॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ १२४॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ १२५॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ १२६॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ १२७॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ १२८॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ १२९॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ १३०॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ १३१॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ १३२॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ १३३॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ १३४॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ १३५॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ १३६॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ १३७॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ १३८॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ १३९॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ १४०॥ ॐ वामनाय नमः॥ १४१॥ ॐ बृहते नमः
॥ १४२॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ १४३॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ १४४॥ ॐ संवृधे नमः॥ १४५॥ ॐ अग्नये नमः
॥ १४६॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ १४७॥ ॐ आशवे नमः
॥ १४८॥ ॐ अजिराय नमः॥ १४९॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ १५०॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ १५१॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ १५२॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ १५३॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ १५४॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ १५५॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ १५६॥ ॐ विद्युते नमः॥ १५७॥ ॐ वर्षते नमः
॥ १५८॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ १५९॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ १६०॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ १६१॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ १६२॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ १६३॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ १६४॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ १६५॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ १६६॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ १६७॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ १६८॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ १६९॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ १७०॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ १७१॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ १७२॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ १७३॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ १७४॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ १७५॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ १७६॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ १७७॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ १७८॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ १७९॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ १८०॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ १८१॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ १८२॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ १८३॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ १८४॥ ॐ वामनाय नमः॥ १८५॥ ॐ बृहते नमः
॥ १८६॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ १८७॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ १८८॥ ॐ संवृधे नमः॥ १८९॥ ॐ अग्नये नमः
॥ १९०॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ १९१॥ ॐ आशवे नमः
॥ १९२॥ ॐ अजिराय नमः॥ १९३॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ १९४॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ १९५॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ १९६॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ १९७॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ १९८॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ १९९॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ २००॥ ॐ विद्युते नमः॥ २०१॥ ॐ वर्षते नमः
॥ २०२॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ २०३॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ २०४॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ २०५॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ २०६॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ २०७॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ २०८॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ २०९॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ २१०॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ २११॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ २१२॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ २१३॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ २१४॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ २१५॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ २१६॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ २१७॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ २१८॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ २१९॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ २२०॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ २२१॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ २२२॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ २२३॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ २२४॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ २२५॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ २२६॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ २२७॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ २२८॥ ॐ वामनाय नमः॥ २२९॥ ॐ बृहते नमः
॥ २३०॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ २३१॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ २३२॥ ॐ संवृधे नमः॥ २३३॥ ॐ अग्नये नमः
॥ २३४॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ २३५॥ ॐ आशवे नमः
॥ २३६॥ ॐ अजिराय नमः॥ २३७॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ २३८॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ २३९॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ २४०॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ २४१॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ २४२॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ २४३॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ २४४॥ ॐ विद्युते नमः॥ २४५॥ ॐ वर्षते नमः
॥ २४६॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ २४७॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ २४८॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ २४९॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ २५०॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ २५१॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ २५२॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ २५३॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ २५४॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ २५५॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ २५६॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ २५७॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ २५८॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ २५९॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ २६०॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ २६१॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ २६२॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ २६३॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ २६४॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ २६५॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ २६६॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ २६७॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ २६८॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ २६९॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ २७०॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ २७१॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ २७२॥ ॐ वामनाय नमः॥ २७३॥ ॐ बृहते नमः
॥ २७४॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ २७५॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ २७६॥ ॐ संवृधे नमः॥ २७७॥ ॐ अग्नये नमः
॥ २७८॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ २७९॥ ॐ आशवे नमः
॥ २८०॥ ॐ अजिराय नमः॥ २८१॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ २८२॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ २८३॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ २८४॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ २८५॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ २८६॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ २८७॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ २८८॥ ॐ विद्युते नमः॥ २८९॥ ॐ वर्षते नमः
॥ २९०॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ २९१॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ २९२॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ २९३॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ २९४॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ २९५॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ २९६॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ २९७॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ २९८॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ २९९॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ३००॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ३०१॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ३०२॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ३०३॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ३०४॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ३०५॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ३०६॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ३०७॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ३०८॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ३०९॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ३१०॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ३११॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ३१२॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ३१३॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ३१४॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ३१५॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ३१६॥ ॐ वामनाय नमः॥ ३१७॥ ॐ बृहते नमः
॥ ३१८॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ३१९॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ३२०॥ ॐ संवृधे नमः॥ ३२१॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ३२२॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ३२३॥ ॐ आशवे नमः
॥ ३२४॥ ॐ अजिराय नमः॥ ३२५॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ३२६॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ३२७॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ३२८॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ३२९॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ३३०॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ३३१॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ३३२॥ ॐ विद्युते नमः॥ ३३३॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ३३४॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ३३५॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ३३६॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ३३७॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ३३८॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ३३९॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ३४०॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ३४१॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ ३४२॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ३४३॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ३४४॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ३४५॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ३४६॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ३४७॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ३४८॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ३४९॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ३५०॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ३५१॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ३५२॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ३५३॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ३५४॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ३५५॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ३५६॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ३५७॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ३५८॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ३५९॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ३६०॥ ॐ वामनाय नमः॥ ३६१॥ ॐ बृहते नमः
॥ ३६२॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ३६३॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ३६४॥ ॐ संवृधे नमः॥ ३६५॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ३६६॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ३६७॥ ॐ आशवे नमः
॥ ३६८॥ ॐ अजिराय नमः॥ ३६९॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ३७०॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ३७१॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ३७२॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ३७३॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ३७४॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ३७५॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ३७६॥ ॐ विद्युते नमः॥ ३७७॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ३७८॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ३७९॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ३८०॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ३८१॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ३८२॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ३८३॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ३८४॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ३८५॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ ३८६॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ३८७॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ३८८॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ३८९॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ३९०॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ३९१॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ३९२॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ३९३॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ३९४॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ३९५॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ३९६॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ३९७॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ३९८॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ३९९॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ४००॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ४०१॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ४०२॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ४०३॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ४०४॥ ॐ वामनाय नमः॥ ४०५॥ ॐ बृहते नमः
॥ ४०६॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ४०७॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ४०८॥ ॐ संवृधे नमः॥ ४०९॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ४१०॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ४११॥ ॐ आशवे नमः
॥ ४१२॥ ॐ अजिराय नमः॥ ४१३॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ४१४॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ४१५॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ४१६॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ४१७॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ४१८॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ४१९॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ४२०॥ ॐ विद्युते नमः॥ ४२१॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ४२२॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ४२३॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ४२४॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ४२५॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ४२६॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ४२७॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ४२८॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ४२९॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ ४३०॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ४३१॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ४३२॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ४३३॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ४३४॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ४३५॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ४३६॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ४३७॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ४३८॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ४३९॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ४४०॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ४४१॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ४४२॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ४४३॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ४४४॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ४४५॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ४४६॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ४४७॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ४४८॥ ॐ वामनाय नमः॥ ४४९॥ ॐ बृहते नमः
॥ ४५०॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ४५१॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ४५२॥ ॐ संवृधे नमः॥ ४५३॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ४५४॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ४५५॥ ॐ आशवे नमः
॥ ४५६॥ ॐ अजिराय नमः॥ ४५७॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ४५८॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ४५९॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ४६०॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ४६१॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ४६२॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ४६३॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ४६४॥ ॐ विद्युते नमः॥ ४६५॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ४६६॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ४६७॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ४६८॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ४६९॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ४७०॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ४७१॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ४७२॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ४७३॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ ४७४॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ४७५॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ४७६॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ४७७॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ४७८॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ४७९॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ४८०॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ४८१॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ४८२॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ४८३॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ४८४॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ४८५॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ४८६॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ४८७॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ४८८॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ४८९॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ४९०॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ४९१॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ४९२॥ ॐ वामनाय नमः॥ ४९३॥ ॐ बृहते नमः
॥ ४९४॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ४९५॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ४९६॥ ॐ संवृधे नमः॥ ४९७॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ४९८॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ४९९॥ ॐ आशवे नमः
॥ ५००॥ ॐ अजिराय नमः॥ ५०१॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ५०२॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ५०३॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ५०४॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ५०५॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ५०६॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ५०७॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ५०८॥ ॐ विद्युते नमः॥ ५०९॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ५१०॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ५११॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ५१२॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ५१३॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ५१४॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ५१५॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ५१६॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ५१७॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ ५१८॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ५१९॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ५२०॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ५२१॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ५२२॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ५२३॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ५२४॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ५२५॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ५२६॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ५२७॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ५२८॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ५२९॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ५३०॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ५३१॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ५३२॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ५३३॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ५३४॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ५३५॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ५३६॥ ॐ वामनाय नमः॥ ५३७॥ ॐ बृहते नमः
॥ ५३८॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ५३९॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ५४०॥ ॐ संवृधे नमः॥ ५४१॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ५४२॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ५४३॥ ॐ आशवे नमः
॥ ५४४॥ ॐ अजिराय नमः॥ ५४५॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ५४६॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ५४७॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ५४८॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ५४९॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ५५०॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ५५१॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ५५२॥ ॐ विद्युते नमः॥ ५५३॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ५५४॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ५५५॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ५५६॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ५५७॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ५५८॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ५५९॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ५६०॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ५६१॥ ॐ सेनाभ्यो
नमः॥ ५६२॥ ॐ सेनानिभ्यो नमः॥ ५६३॥ ॐ रथिभ्यो
नमः॥ ५६४॥ ॐ अरथेभ्यो नमः॥ ५६५॥ ॐ छत्रिणे
नमः॥ ५६६॥ ॐ उष्णीषिणे नमः॥ ५६७॥ ॐ सुरूपकृत्नवे
नमः॥ ५६८॥ ॐ ऊर्ध्वाय नमः॥ ५६९॥ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय
नमः॥ ५७०॥ ॐ हिरण्यकवचाय नमः॥ ५७१॥ ॐ हिरण्यलिङ्गाय
नमः॥ ५७२॥ ॐ सहस्राक्षाय नमः॥ ५७३॥ ॐ मीढुषे
नमः॥ ५७४॥ ॐ शतधन्वने नमः॥ ५७५॥ ॐ गिरिशयाय
नमः॥ ५७६॥ ॐ शिपिविष्टाय नमः॥ ५७७॥ ॐ मीढुष्टमाय
नमः॥ ५७८॥ ॐ शिवतमाय नमः॥ ५७९॥ ॐ ह्रस्वाय
नमः॥ ५८०॥ ॐ वामनाय नमः॥ ५८१॥ ॐ बृहते नमः
॥ ५८२॥ ॐ वर्षीयसे नमः॥ ५८३॥ ॐ वृद्धाय नमः
॥ ५८४॥ ॐ संवृधे नमः॥ ५८५॥ ॐ अग्नये नमः
॥ ५८६॥ ॐ प्रथमाय नमः॥ ५८७॥ ॐ आशवे नमः
॥ ५८८॥ ॐ अजिराय नमः॥ ५८९॥ ॐ शीघ्रियाय
नमः॥ ५९०॥ ॐ शीभ्याय नमः॥ ५९१॥ ॐ ऊर्म्याय
नमः॥ ५९२॥ ॐ ऊर्म्यावते नमः॥ ५९३॥ ॐ वर्ष्याय
नमः॥ ५९४॥ ॐ अवर्ष्याय नमः॥ ५९५॥ ॐ मेघ्याय
नमः॥ ५९६॥ ॐ विद्युते नमः॥ ५९७॥ ॐ वर्षते नमः
॥ ५९८॥ ॐ पुरुषाय नमः॥ ५९९॥ ॐ हरिकेशाय
नमः॥ ६००॥ ॐ मुञ्जकेशाय नमः॥ ६०१॥ ॐ भूरेवताय
नमः॥ ६०२॥ ॐ भूरिवर्पसे नमः॥ ६०३॥ ॐ कपर्दिने
नमः॥ ६०४॥ ॐ कपर्दिभ्यो नमः॥ ६०५॥

यित्नवानमस्तुगवन्नमस्तुयगस्वःसमीमहे॥२१॥यजा य
गस्समीहसगणानाजत्यंकृत्नुष्मन्नःकृतवेजाश्वाय
वेशुलाऽनुमतीयानेजापतेमधवन्नस्मेधेहिजास्प
तिमनुवासोऽदधिष्यश्चयन्द्विपम्॥२२॥गन्धर्वहिर
ण्यकेशमर्चतायप्सरःसंजीवमश्वनदं
गन्धर्वानृतेयामनदंगन्धर्वावामश्वनदंगन्धर्वीणां
स्वामनदंगन्धस्यश्वनदंगणा॥२३॥अक्षन्नमीमदन्त
पद्मिगृभ्यायोऽन्नंपात्रेहविषेनमः॥२४॥डयय

मनसस्पत्रयोमऽॐस्वःस्वाहा॥ऊंदा॥ॐउवःस्वाहा॥ऊंदा॥ॐ
स्वःस्वाहा॥ऊंदा॥ॐलक्ष्मीश्चऽएनवनस्पतिविज्ञानदवस्यकिज
योसिमीक्षाऽयजिष्ठावह्नितमऽश्नुष्टानाविन्धीद्धाऽसिद्धम्
ग्रस्मत्स्वाहा॥ऊंदमग्निषोमाभ्यां॥ॐमलक्ष्मीश्चऽएनवमाप्यायी
मदिद्धोजुष्याऽउषसामाग्रेऽइतयश्चऽएनवनऽयमानोवी
हीमूणीक्षऽसहमानऽक्रियास्वाहा॥ऊंदमग्नयेगृहपतयेस्वाहा॥ॐज
याम्यायाश्चैनस्यनक्रियस्यमलमित्तमयाऽसिःजया
नायङ्गवहास्ययानाक्षेक्रियवजऽस्वाहा॥ॐऊंदमयाम्यनेक्षा

ॐयतनसवनेयमहर्तयक्रियायाम्यविनतानकऽक्षा
मक्रिन्नजिघयठिक्षाथविष्वविष्वंदुमनऽस्वर्काय
स्वाहा॥ऊंदमनुनायासविंतविष्वेनिम्वयादमस्याम
ऽत्यःस्वर्कऽस्वाहा॥ॐउइकर्मवनऽगेयोमस्मदवादिमा
विमध्यमऽस्थयाजथवयमादित्यव्रतनवानानाम्नाज
दितयस्यामस्वाहा॥ऊंदमवनुनायादित्याधियतय॥ ॥च
ऽत्याहि॥ॐयाहिनाविष्ववदस्वाहा॥ॐयूंयाहिविऽ
वमोस्वाहा॥ॐसंयाहिमनऽक्रगोस्वाहा॥ॐनूनयाऽस्वा

का॥ॐ नू नामि मि कं ङ्का मि त्वा का॥ॐ मू ना ष्का यं या ष्का यं ग
त्सर्वे ङ्कि या ग मा मा सर्वं य ह्लो क स्या मि वि ह ना मि या का नि
स्वा हा॥ ॥ व ह्नि म य जी॥ॐ वे ल्मा न मा यं ष्क ङ्गु न ना वि मा य
धी म हि तं मा व ह्नि ष्ठ वा द या ३॥ॐ ध व क ग स्मे न मा व य ज
न्म सि त्वा का॥ॐ म नु य क ग स्मे न मा व य ज न्म सि त्वा का॥ॐ
वि ष्क म्भे न मा व य ज न म सि त्वा का॥ॐ आ त्म क ग स्मे न मा
व य ज न म सि त्वा का॥ॐ ज न स्मे न मा व य ज न म सि त्वा का॥
ॐ य ज्ञा क म नो वि ष्ण्व थ का म य ज्ञा क म ङ्गो वि ष्णो ग स्म स र्व

स्मे न मा व य ज न म सि त्वा का॥ॐ ह ग स्मे च दृ थि वी म हा ग त्वा
का॥ॐ सु वा वा य व या न्ति का य म हं त्वा का॥ॐ त्वा ष्ट्र्या य
दि व म हं त्वा का॥ॐ र ग्ं व ष्ट्वा ष्ट्र स्त्व ष्टु म म न क्ता णं दि ष्टो
आ जा व ता य म हं त्वा का॥ॐ पू ष व नु ज्झ ष्यं स्मि न मि न्द्रे
व न ज्ञा ष्य त्वा का॥ॐ भू नु ज्ञा ष्य व नु ज्झ ष्यं स्मि न वा ता य
त्वा का॥ॐ वि ष्ण व ङ्गि ज ल्ग व नु वा रा या ग्नि सो म दे व त्य वा ना य
त्वा का॥ॐ य ज्ञ ङ्गि ज ल्ग व नु वृ त क्रा नि वा रु दे व ड दा ना य
त्वा का॥ॐ ज्यो क्प ती र ग्ं व नु स वा या ग्नि व रु ण दे स मा ना य त्वा का॥

ॐ॒ऋ॒तया॒॑ऽसि॒ज्व॒क्कनि॒र्व॒ज॒न॒य॒ꣳ ब्र॒ह्म॒ज॒ज्ञा॒न॒म्प्र॒थ॒मं पु॒र॒स्ता॒॥
वि॒सी॒म॒तः॒ सु॒रु॒चो॒ वे॒न॒ आ॒वः॒॥ स॒बु॒ध्न्या॒ उ॒प॒मा॒ अ॒स्य॒ वि॒ष्ठाः॒॥
स॒तश्च॒ योनि॒मस॑तश्च॒ वि॒वः॒॥ ॥ॐ॒ यु॒ञ्जते॒ मन॑ उ॒त यु॑ञ्जते॒ धियो॒॥
विप्रा॒ विप्र॑स्य बृह॒तो॒ वि॒प॒श्चितः॒॥ वि होत्रा॑ दधे॒ वयु॑ना॒ऽविदे॒क॒ इन्म॒ही॒
दे॒वस्य॑ सवि॒तुः॒ परि॑ष्टुतिः॒॥ स॒त्यो॒ऽअ॒सुन्न॒रा॒ऽइ॒षा॒॥ ॥ॐ॒ यु॒ञ्जते॒ मन॑
उ॒त यु॑ञ्जते॒ धियो॒॥

मानस्यायथःकार्यसंवृक्तुङ्गतिसमूङ्गमम्॥ॐदवाग्नः
तुविदाग्नतुविलाग्नतुमितःमनस्यग्नयेऽग्नेमंदतयऽ०स्वाहा॥
वाग्धस्वाहाॐजायास्यसमनसोविस्वतःवंसामवृक्ता॥त्वा
ब्राजस्यसंगभ्रेथःसायय०सिसमूयन्तुब्राजाःसंवृक्ता॥च
मासिवाहःजायास्यॐमृताय्यसानदिविश्रवा०स्वाक्षमानिधि
ह्वाःजायास्यमदिन्तमसाधिथिरा०गुहिःस्वानःस्वप्रथस्त
मःस्वौसस्यावृधेजागवत्तामनायमत्यवसाधिषीमहधन्वा
ज्मेत्वाक्षमयाजिमाॐग्निरिडस्पदेसमिध्यसेदमेपशुभ्यः

ज्मेक्षमायथमिमाॐग्निःडियवृक्षमसःक्षमासदनस्यराध्ये
स्यासम्राऽअधिराजलिॐरायःपृथिव्याॐदवस्यत्वाॐजुष्टो
नोऽएवजनाॐऽउपदादिवमंशानाॐऽउहयंनमस्यस्यमिः
स्वःपश्यन्नशमिॐग्रथनाॐनमाऽउक्थंनमाऽउक्थंनमथाक्षमाग्नः
नमःपृथिवीनमःक्षमायधीतानमावाचनमावाचस्यतयाः
माधिश्रवमकृतंकथाविॐग्नेनिऽस्यसानस्यदवानोविऽ
गिर्यंगिरंदृन्हचसासिकतिवाप्रुषीगयॐथदवासा
दिवाकदगस्कृथिवामध्येकादगस्काॐयुद्धिगामहिं

कादशकपालऽदेवासयज्ञमिमं वधेँ॑ऽयुनेत्यादित्याग्रहा
वसवःसमिन्धतांदुनर्ह्मणेवसुनीथयज्ञंगोपायतंनः
त्वंचेद्ययज्ञसंयाःसनुजजमानस्यकामाःँऽआवृश्चंवामं
एवृश्चवद्देवीजायंतांमानुराजनःसूनृंवयाधिया
धिमहानथेजायतांनिधेनुबोधिनउनानुसेदियनाव
र्यावाजिनुनथेससूयवासयजमानस्यवीराजायंतां
निष्कामंनिकामनःयेयावयुरूनवयान्ऽवधय
यज्ञंनोयाजुषेहमानऽयंताँऽउथमाद्वितीयेदिनीयाः

२१३

तृतीयेसूनीयःसयेनसर्वंयज्ञनयसूयज्ञंहिर्यज्ञंऋषि
सामऋषिःसामान्युऋचःयजूंषिवाक्ऋषिःपूर्वाऽआयाग्निः
र्यजाःचवह्नःनेदवह्नयाःसूनीसहसोगयामकामान्त्समर्द्ध
यतुरःस्वाहा॥ ॥ऊँहिमस्यत्वाजरायुऽअसिवयोनाः
सिऽउल्बऽवसानोवसानऽउल्बंवसानोवसीतजरदष्टिर्यथा
ऽग्निर्हिमणुरग्रयंऽ॥ऊर्ध्वोदग्निमजनयोर्ध्वोदःशिशुरागः
मणुःऽजजानपक्वऽऊर्ध्वोःस्तुकदयंममदूयाग॥विषूचेवदनेवजा
कामीचनजानदवःकानायःनोस्थवदयुग्रास्थजयणमीग

यज्ञो यज्ञमाऽनयन्नमूयनि॰ क्षुजमथेवऽङ्गाविषुव्रन्न
मूर्द्धिन्नवशूनिवदनयऽरूवीवमाह॥ १॥नक्षोशुक्षानिऽ
ग्नियथमग्निर्यूगाक्षिलिदक्षाग्निमाज्वानुत्वाथयत्नः
ग्नाविबुधयदमगाज्ञिक्षिलिवन्मीऽग्निसिद्धाःनाबुध्नावालऽ
वाक्षथदामगामुराक्षीजराऽउजरयुदानित्यमूयनिवाम्॥
२॥थयथयऽरूसंस्कादिजिविदिनिवासंहिनादवगायाःकल्पु
वाङ्गिमथ्नुकलगयनिगतामऽग्निलोलग्निरवाऽगस्वसन्तुः
दवाऽग्निमगरूदामन्तुसंगावनूगामजामऽक्रुदिक्षि

नायज्ञनयनिविधिक्षीनदावा१ङ्कमस्व१।३॥यङ्कथारवस्वनलेन
सनिधिगुटिकादादृश्यवनयालालदिव्यसिद्धिस्त्रिभुवनसहिता
दिव्यचिक्कमलिख्यासिद्धिर्द्धिश्रीमधीनांतनयसुतविनाशनाजगद
मन्त्रवादेनशास्त्रयुसादात्मवयुरवनाममन्दनंउमत्रं१॥
॥४॥ॐश्रीयालामयालाऽस्वस्तदिनिवसिताऽस्वस्वमङ्गल्यङ्क
जादित्योदिग्रहंगावसनिशुवेविसदाजन्मदनाऽस्वयुकाऽस्व
दाथामऽस्वतीऽथागलगुरुवदुस्खिलसमृकाश्वसिद्धिलः
यंदंदाणुरवणुवसूमतीयङ्गभूर्द्धिगुणाऽस्कु॥७॥यावद्वाचो

गत्रङ्गावकस्वनदीजाङ्गवीयुन्नाताययावद्वाकागमार्म्मेमग
णगणयतिर्म्मेयतिर्क्षीगलेगेऽयावदङ्गाविनाकीकविविम्
त्रजलंवदसिद्धकथालीगवस्वत्युजेयोजखजनयनिधेगावर्द्ध
गंत्राजलक्ष्मीथाऽ॥यदवायङ्गनोगात्रहगणसकलाद्रगन
ङ्कथविनावायवर्षीयत्रमासंसिथिगणसंङ्कलाथवनङ्क
जथागमऽस्यलग्नाथाकणुवलाङ्कदतयेयमान्धुहग्रीवबन्धा
ह्यत्रीगंसन्तुनिगंनिजहस्खदंसलुगाजस्त्रीथा॥७॥
ङ्गाविभूस्थलङ्कजलनरामवलंउङ्कयागीसमीनथाग्रीयङ्क

ॐनड्मुग्रहगतसदःसंरागःसर्वनाम्नःकम्बोःसिद्धवी
रादित्रिगर्तकाःचक्षुर्मयीदिदवाग्निन्यायमानःसन
वनेनमिताःपाणुवःसर्वदवाः॥२॥ॐकामयेकनूनं
जमयदकठिनंछन्दविमीकुसाखाजन्यंसामवृधंयइ
नस्तिलकलेमन्थर्षिवत्रेयामन्त्रायासनीनंजेमनक
वयधेन्नीयमानदनिर्लजाःशेकल्यगुप्तःगुरुगणमुनि
क्षिःपाणुपूर्वदःशा॥कलशयाःदवाःमन्महदीर्घश्रुतम
विवयसःयलवेःकृष्णसःक्षिप्रमतीजेस्तीर्थगायेःसहः
म१
द२

लहगन्धोयधीवृक्षिरतेदीर्घःस्रुवाःकलाश्चेमलियगलूयसे
हद्विसिन्धूनदूवीदृथेनवयश्चयेःचक्रलगतिक्षिप्रंनम
यूकुकर्मा॥ ॥यथादवमत्कुलिलासुगुणागणयतिःकृष्ण॥
गोन्नासःकोमारी॥ ॥मालकहुतिःॐसन्नःसकुनिर्गर्गः
सहतिनंनिधक्रयायायाजानःशुतियामयस्कुवसुभ्रधर्म
स्थिगाःसर्वदाःकालसंन्नःनिवर्मिलावृसमराःसकुशाःपृः
थदामादन्दंकाश्चनवृद्धिवश्चलासहजंमीक्षुतमाराःसदाः॥
शिक्षादाक्षात्यद्वनरालनाःश्लेषलाक्षिन्द्रयागाश्चेक्षुदीक्षिः

ॐ वि॒ष्णु॒र्वि च॑क्रमे॒ ॥ ओ॒ज॒स्वी स॑ह॒स्वी ॥ ॐ क॒ल्पा॒वि॒मौ॒ रा॒
ति॒स॒ल्पा॒वि॒मौ॒ रा॒ति॒क॒ल्पे॒ता॒वि॒मौ॒ रा॒ति॒ग॒स॒ल्पा॒वि॒मौ॒ रा॒ति॒॥ ओ॒ला
य॒त॒क॒स॒ल्पा॒ग॒ल्पे॒ति॒॥ ओ॒ल॒स॒ल्पा॒ग॒॥ ओ॒ल॒क॒ल्पा॒ग॒मा॒च॒नं॥ ॐ॒ स॒मि
ति्रया नजा॒ अज॒ावक्षया॒स्तो॒ड॒मि॒ति॒ त्रि॒या॒ न॒स्तो॒स॒न्तु॒ या॒स्ता॒ व॒हि
र्यं॒ च॒व॒यो॒ हि॒ष्म॒॥ ओ॒ज॒ आ॒दा॒ड॒ला॒ग॒दं॒ क॒ना॒ गि॒थं॒क॑॥ ॥ओ॒ला
गं॒क॒ग॒मि॒धं॒ज॒ड्डु॒या॒॥ ओ॒ज॒ग॒ण॒सँ॒ क॒ल्प॒ स॒मि॒धा॒ग॒मं॥ ॐ॒ क॒ला॒
य॒क॒र्म॒ण॒ल्ला॒ हो॥ ॐ॒ ज॒क॒ला॒ य॒क॒र्म॒ण॒ल्ला॒ क॒॥ ग॒व॒ग॒मा॒ ॐ॒ क॒र्यु
व॒ल्व॒ठ॒ल्ला॒ क॒॥ ॐ॒ अ॒थ॒ना॒मा॒ण॒ल्ला॒ग॒॥ मृ॒दि॒का॒ग॒मं॒त्र॒ य॒ज्ञ॒ज्ञा॒ या॒ऽथ॥
थैं॒ ने॒ ४

॥ ॐ॒ ग॒ण॒ना॒ ग॒ण॒ना॒ल॒ला॒ग॒

यङ्गनिलासनाकर्षनिर्मर्छनाऽऽकलनादिभिर्धीचन्दनाद्या
र्चादौ॥जैयेमानत्रिगिद्धा॥ ॥जग्निनमलालो॥ॐनमोऽर्हं॥आ
त्रावणानकर्मयन्तुयङ्गायङ्गपतयेस्वाहेदमिन्द्रायनमम॥ति
मानुषयेऽर्हद्भ्यजिनेभ्यएषवाजलोऽस्तुद्विपदेभ्यश्चतुष्प
दे॥ ॥अमकलगलिसर्जनी॥ॐयङ्गयङ्गंगच्छयङ्गपतिम
च्छागंथानिगच्छागं॥नवतयङ्गायङ्गपतेसख्युस्त्वा
कर्मणेवीर्यायादधामिशतशारदायत्वाऽनाद्यकर्मनिद्दुजाम्यो
क्षमरीक्षयं॥यङ्गलिसर्जनी॥नमः॥ॐनमोनमोहृदयाय

जात्मासंसारवारनःयजुर्ब्रह्मादयाद्वाम्यगच्छङ्गागन॥ ॥
अर्घयात्रान्निकुरुजाम्याक्षमस्वीकरोऽवलोकनं॥जावमनं॥ ॥क
लिसर्ङ्॥चन्दनादि॥दत्त्वाकोमानीवूजा॥हस्तौसाभि॥ ॥
॥ॐनिकायायनाकङ्गणिकमोत्तमाङ्गं॥ ॥ॐ॥
॥संवत२३७॥कार्तिकशुक्लचतुर्दश्यांगोधेवृधंवास
रेऽधकुङ्धनकाश्यां॥द्विजवरशीलश्रीनारायणमिश्र
जापुत्रीचजेयाधिगर्भोहंमिदंशुद्धंलिखितंऽऽङ्गमस्तु ॥
॥ॐ॥ ॥

ॐ नमः स्थ ॐ शूक
क्षू ॥ न ने स ॐ ग ना ना वा ॥
ॐ ग ॐ न म व ल्म य ॥
ना म य ॐ क्षू दे वि ॥
शि वा ॐ न मः ग क्ष व य
च ॥ क नू म न्द ॐ ती बौ धा
वा न ॥ ना गा ॐ न मा न्तु स
र्थ या ॥ द गु लि ॐ कृ ष्ण
श ॥ नृ थ म्ब मा ॐ न मः
क्ष वा य च ॥ चा मृ ण्डा ॐ या
ग व द स ॥ द थ वा ऽ ग ण त ॥
ॐ न मा ग ण प ॥ वि घ्ने
ॐ नमः स क्ष वा य च ॥ थ वा
न ष्ठा ॐ शि वा शि नि ॐ सम
ष्क न्ध धि आ सं द क्षि ण मु ख
क ना मा न श्च यु ता वी भ्यां
ह ई ग व बी नै वि श्व ग व

दा वि सं ह सि खा ॥ ऽ ग न्ध ॥
॥ ॐ ॥ ली म द वा ॐ न मः सं
ग व य यु व ना थ च ॥ म
नि क्ष मा ना ॐ ऊ र्म म ॥ थ
प्र ॥ ॐ जि वौ नि मि ॥ म नि ष्ठ
ग सं वा ॐ क्षू दे वि ॥ ऽ ग्रा ः
ग म ॥ ॐ ऽ ग्न ऽ ग्नि के ॥ ः
व ग ॥ ॐ ऽ ग्रा क्षू ॥ य था ॥
ॐ वि क्षू न ना ॥ व ऽ ग्नि ॥ ऽ ः
नि मृ लि ॥ ऽ ति म ल्ल क ग ः
वा ॐ स ह स्र गा वा ॥ ध नं
ऽ ज्व ना ॥ ॐ न मः सं ग ता य ॥
॥ मा न ने न वा ॐ ऽ ज सं ख्या ः
ग ॥ ग ण सा ॐ ग ना ना वा ॥
शि व ना मो या ना ॐ स क ः
ऽ ग ना ॥ ॥ क मा ॐ य द ः
स्क न्ध ॥ मा न श्च मा ॐ शि व ः

यमागामरुद्भ्यागतयत्वद्भ्यश्चेविभ्यस्त्वादित्येभ्यश्चाऽऽगमा
गनवदवत्यऊर्दमासनंयद्धि॥यूर्यंवद्धि॥ ॥ऊंमागृधिगामरी
धिगमुकादेगश्चारुदेवद्धिग्मर्द्धयवदकजादर्यंवद्धि॥ ॥यि
दिधिजुषाणजादर्यंजावके॥ ॥स्वयदस्युस्वन्त्स्य३॥ ॥वृद्धिग्म
र्द्धरुमिमिक्ता॥स्वस्य॥विश्वस्यादवत्यऊर्दमासनंवद्धि॥यूर्यंव
द्धि॥ ॥ऊंमागृधिगामरीवृधिगामरेखःधिग्मेधिगामरुद्भ्यमिगा
मरुद्भ्यमागामरुद्भ्यमागामरुद्वद्भ्यमागामरुद्भ्यागतयत्वद्भ्यम
श्चेविभ्यस्त्वादित्येभ्यश्चाऽऽगमागनवदवत्यऊर्दमासनंवद्धि॥यूर्यं

वृद्धि॥ ॥नवंनन्दिष्यत्रजातार्यंयति॥यजमानस्यंवंशास्यंमयनीनऊ
नाऊंवास॥ ॥थनयवदयज्ञायाऊंऊरायनूनदेवगायशाऊंवनू
नस्यर्कंनमवनूनस्यर्कंरसऊनीकावनस्यसगसदनमसिवनू
नस्यसगसदनमासीवाऊंयवविदवगायशाऊंऊंदधिवनू॥ऊंदू
धिक्रदवगायशाऊंदुग्धस्यमाऊंदधिऊमायनिदेवगायशा
ऊंवनिष्ठाग्रा॥ऊंवदतीरुवृकस्यनिदेवगायशाऊंवृकस्यवा॥
न्त्यावदनंऊंसन्चयामिसमावदामधोरिसमामधयावसिन॥
सठनवगाईगनोरिठवृचंगाठसम्मधूमतीरिठवृचन्त॥स

यशीमन्तं धियं॥ १०॥ चैत्रं यावद्वृजा॥ आत्मवृजांविश्रया॥ ॥ऊ
रूमनमाद्यस्वः॥ दक्षिणस्त्रश्रियंगा॥ नवूदनसानवद्यवग
स्यश्रया॥ ॥वृजारङ्गिस्तावधिर्यंगा॥ ॐस्यक्वाश्वदशमत्यस्त
धैय॰०॥ ॥स्वनगंना॥ ॐगयायेनमः॥ ॐनवधनायेनमः॥ ॐ
यूछवीलाशायनमः॥ ॥यवदकर्तंसनरोमा॥ ॐमयविगृवेवि
ग्रावा॥ ॥विग्वेदवंऊर्तंखिग॥ ॐसवाग्वस्कनमसचिः॥ नवीत
गमागृ॥ ॥वर्वनच्चिकयनमूवार्यर्तंखविय॥ ॥यसायावस्वानस
ल्लिलाऊतयस्तानथिर्यंगा॥ ॐमूयाविं॥ यजमानस्यजमूकार्द्धगमूः

स्यदेवकृविग्रार्द्धकर्मुसक्रियायदगमालवयजमीस्वमित्रामनानसूतं
निधनमऊमागृविलामकीखविलामलीखःविगृविलामऊखविलामकः
स्यामालामऊस्यमालामऊवृखमालामऊलागणयत्रोदुमीयेविवृ
वासंद्रोनिवायमाउगमागृनवदंवगस्यसमंनिधनमऊ॥विग्रः
दवदिवृद्धेंयुग्मास्रमाऊंकविधाद्रुकालनाऊंकूरुय॥ ॥विः
ग्यदेवऊस्तानविया॥ ॐकगयश॥ ॐदक्षायश॥ ॥ब्रह्मणऊविः
या॥ ॐगोमीयन्नासयीमश्वासाविंशीविरुयाजयादवस्तनास्वश्व
स्वाऊमागस्तोकमागनःऊक्षियृक्षिऊथ्युक्षिंश्वानमदवत्यासऊ

न्नामण्डलयात्रादवधूसन्तानतं॥यजादवजलंखमण्डलसलयर्कण॥यन्त्र
ॐमद्यवाग्मृगायमनधूकदन्तिमिन्द्रजठमाधामैथुनमाम्बधीमधूनकः
मूलाखसामधूवत्याधिवणवसमधूधोढमुनविलामधूमाधावनसगिः
मधूमाँशूकिः सूर्यमाश्चिमाखलनकुना॥ॐजयादि॥अन्तर्कल्यसिद्धि
नकुसर्वविधियनियूथुमन्धु॥आसानीतवसानीतनिद्रीवमन्धुयः
स्वाद्विदुंतलखकीचमन्धु॥ॐजलसूत्रसूचचङ्गसूवचङ्गयाँसं
गोजादिशाजग्रचर्कगन्नयूर्कमन्नयूंनाशुवाङ्गस्यनिद्रीवन्नखजंघसा
का॥ॐविश्वेस्यादवस्थाञ्चस्यादि॥मातृविलामलीलादिअणुमन्त्रा:
दि॥अन्तर्कलखअन्तिडमन्धु॥लंखम्॥ ॥गणेशवार्च्चनी॥ॐसूर्य्यः

यन्त्रंदमार्म्मनंदद्धि॥यूर्यंरद्धि॥ॐगलेशा॥ॐकुरुपाल॥ॐगिरिम
नामायदा॥ॐअलिमत्रंगवा॥ॐधनंजयम॥ॐमानथमीशदवता॥
ॐयंअग्नि॥ॐमलिकूमाव॥ॐआवलाकथव॥ॐसीमसन॥ॐराव
एवानि॥ॐहवसिद्धि॥ॐवलन्धन॥ॐनूहेमन्क॥ॐनागमाशा॥ॐकुछि
का॥ॐहस्तश्री॥ॐमांसर्ग्रस्यादवस्था॥ॐकोमादवी॥कपिलादिं
यन्त्रंसमोगृस्था॥ॐमातंगमागूनवदवगन्त्रंदमासनंदद्धि॥ ॥
वर्णचन्दनंसूर्यचन्दनंसिन्दूरंयन्त्रंयवीनंयेपूंधूपदीपंॐदंदं
तयूंगमाम्बूलानि॥ ॥यदूवासनंमण्डलाय॥ॐग॥ॐनमःश्रीविघ्ने
श्वरनमः॥यंवोकूसममंकासांविघ्नंघ्नायवीनाय॥निधानन्द॥यस्य

ह्रीं ह्रीं नमः ॥ नानायणं नमस्कृत्य ॥ नमः शिवाय साक्षात् ॥ श्रीमान् गु
रुकृपेनूलशिवमलाग्रकामगन्धिपदीक्षितमात्मविलेकविज्ञानो
गामविद्यानिवृत्तिकृतव्यग्रगतविद्यर्थवलिधा[illegible]ङ्गीलाकृत्यं
कालमृत्युवर्तिनादिजयगुरुसिद्धिलक्ष्मीयमाठिवलगणकाल्य
व्रजविद्रुमानमनादिनगरुतवकायमलिकुलायवत् ॥ नागश्रियनो
गगद्यवृक्षशुकावदान्मरुढिकोयमंयाकुलाहिसकमलिमाजि
र्यवेनोमिरुक्षान्मनागमकौ ॥ नमः सविग्रहेदकल्पद्रुमाय
स्वगुरुसिद्धिनागरुगयाक्षीमत्याय श्रीगुरुत्तमधात्रिपवित्रेक्षि
नाम्यथगङ्गजलनाशगदावनेमलकायगुरुनामानस्वप्नोनः
वनामसहस्रमलिवाङ्मयी ॥ नमामहे ॥ श्रीमन्निर्मलगदंकलि

कित्वचनंछत्रकचर्मश्रीकृपंदंडालंवैकतालंयलत्तवलिंनंकः
ब्रुवर्कुसमोर्वासिधोजेनमोलाधगद्यनवश्रियंवीगलवैचनोमिः
निवेशीमत्यायाश्रुक्लिगरायकवर्षरनोधविगाचैपुकानिर्म
गदेभयवक्त्रमनिलमाठिविशूलासाहृक्षकिंसकवीवृक्षं
ससमनदायकुजावकुलावाहनिधार्यनिमात्सयुवलकवृदं
सीश्लवज्रंस्फदोर्चंदवीयेभाविद्यार्द्धसकलरायेलवीनानमरुः
गनाधीभक्तागकिंकिरायवमयनयामासमलाणवृत्यकंकलो
समर्म्मक्रिगिजतमनतंवाचूमाकागविर्वसर्घेस्मादमर्द्दिनरवन
मिर्यत्रेकविद्युत्यवृजकुलुन्नाभवचूमाकुलसुकुलगणायणुमीनू
ब्रुगाक्रिश्नुगिर्वंशिवतनगानंगित्रात्मानंगित्रायर्नंगित्रमकयर्नं

ASHA ARCHIVES 3410

ल्लि०स्वाहा॥ॐ नमो भगवते अष्टमहाभयनाशनाय
गगनविचारिणे॥ॐ नमो भगवते अष्टमहाभयनाशनाय
त्रैलोक्यरक्षणाय गगनगमनाय नमो नमः॥ॐ नमो भगवते
ॐ आगच्छ सत्यं आगच्छ मम यानि यानि निजहानिबद्धसंनिहितानि
दुर्ज्ञानि विघ्नानि वसंदुर्निमित्तानि॥दुर्ज्ञानि॥
दुःस्वप्नदीयं॥जाय स्फोट॥ॐ निर्द्वानं निर्द्विकल्पं निरवधिगमनं निर्
द्वितीयं वंशस्थं कुलं वज्रकुलं कुरु कुरु नमो नमः
वैरूट्यानं वर्द्धनागं गरुडतिमिरमुखं रोहवंशूलमालिंखड्गं गंधा
मनीं वृद्धमनुकसिलेनवकुनमामि॥ह्रांवसाश्रुनिक्षी
रमर्घं विधियानियूथमस्तु॥वालिविसर्जनं॥स्वाहा॥ॐ
ॐ त्रैयविरूदासमान्नयालिसूक्ष्मनिद्रनस्वाहा॥जमदग्नि
ग॥साजाविरोधनं॥मारयीमकुलकुलुनिवीरण॥ॐ यक्षगाद
वैरुदनंदवासश्रवसावयंजूनिर्मलादनसाविघ्नान्मरो
ल्लोकस॥यविसनुकुनं॥ॐमानसाकमयमानसायुविमा
न्नायूमामाजूस्ववूनीविसःमानानीनीवृद्धलाविनाविधीरुवि

नयभडवूयधाकीयभसंरव। नन्मरुड सियधाक्षीनसोखी
लतामरु ॥सवनुवजनयधयछवर्तनिधाय॥ॐनंजालिम
क्रमणि॥घृतनिक्षाय॥ॐवक्षारुवनंवतमरुणवृक्षवीमिदम
रुनंवतनमलिसामि यभ।निक्षायमभाखा।निवयानदमरु
नंवतनम।लिसामि यभसनानायमसमाना।निवयानदम
रुनंवतनमलिसामि यभसवन्धयमसवन्धा।निवयानदमरु
नंवतनमालिसामि यभसजागायमसजागानिदयानाकथा
किसामि॥ ॥ॐस्वयकानुवरुवा॥ॐयकानमनसावयंधवस्य

सविताःसवस्यायसङ्काय॥वानस्वीपूजनं॥ॐहिवल्यः
शुहिवलीसवनुवजगःसृगा।वलाहिनयीतक्षीमवधा
ममाहव।तंजाहवायानवृदानक्षीमिनसगामिनी॥सक्षीपू
जनं॥ऊलावृक्षविन्नसत्यंहिनस्लाकाद्यासवगः।सत्वन्दाधिमव
रुरुधृस्युयानरुरुमानाजृदव॥कालनहली।नमयाजयः॥ॐ
ॐआनास्लासगःहिमादिमनुःसमंधीमधीमहिवयस्वनो
वयस्कृतःसरुसनःसरुस्कृतं।अन्नेसक्नदुरुनमनदुग्रासो
अयाथं।चेजावमाचक्रिनयादमसीय॥कादंनिथाय॥सक्र

यर्यं ॥ ॐ क्ष्यान्याकृनि ॥ वन्दन मिदमर्हं यज्ञ यवी गुयष्टा दिकि ॥
कूजनं ॥ ॐ हूस्त्रीकाय २ ॥ ॐ जुवंस्त्रीकाय २ ॥ ॐ स्वस्त्रीकाय २ ॥ ॐ मरु
ॐ जन ॐ तय ॐ स्तय ॥ ॐ मृगवस्क मृगावृद्ध मृगस्का स्कृगा गुव
ॐ घृतश्चृतामधूगा विगाया नामघामध चाजूदीयमाना ॥ काय कू
णुयूजनं ॥ ॐ जून्निर्म्मा दिव ॐ कूकूयनि ॐ यूथिया जूर्यं जूया ॐ
नगा ॐ विजन्वनि ॥ जून्निमानीय जूलनाद दीणस्का या ॥ ॐ न का
हलंवलनहलंयेयूवी मिदमहंवलेनम ॥ कितामि यन्मनिषूा
यममाखा निजखानदमहंवलनम ॥ कितामि यन्मसमानाय

मसना निजखानदमहंवलनम ॥ कितामि यन्मसर्वधर्यावसर्वधूर्न्नि
जखानदमहंवलनम ॥ कितामि यन्मसजागायमसजागा निज
खानाकृत्या ॥ कितामि ॥ जून्निनिर्म्मकर्ता ॥ ॐ जूश्चवा यदधिव कायु
थमादया ॥ तमकजूहीश्वसर्वाॐ रयंश्चसर्वाश्चजाउ ॐ न्याधवाची
यनासत्व ॥ वसिवेदार्ता ॥ यवनिसाकमलकयादाकृनिरयंघृतंच
॥ ॐ कयादमग्नेस्वाहा ॥ २ ॥ ॐ कयादमग्निंयहिना मिदूर्ययमना
ॐ नकदूनियुवाहू ॥ कयादानिंसंयनिभक्ष ॥ वहिष्ठियन्तु ॥ ॐय
स्यर्गनि ॥ ॐ हूहवायमिनराजानवदोदवश्चादश्यंवहुयुजान

न॥अग्निमन्थकानं॥ॐवाङ्मदयाय२॥रूत्वादिशउरुनसंयूञ्जा॥ॐ
नजूस्कायरुद्र॥संयूञ्जा॥ॐत्वाकवयायङ्॥ॐवेधानवायविश्व रु
जूनक्षित्रायधीमहिन्नावक्रियादयाग॥गायत्रीन्यसतु ग
न्नी॥धनूमूर्दामृदीकृत्य॥नमोजूनिनृतीला॥रुद्रजाठनवेन्द्रव
आनिधकीकृलानलमुर्यीस्वात्मानंविष्णूमूर्तिंध्यात्वायानात्मकी
विधिकथयु॥नमोजूनिनृतीला॥ॐजून्वजूनिनूखसामग्रमकृग
न्वहानियभोजानवृदश्जूनसूर्यायनृगायत्रीनन्यांवावृधि
वीजागर्थ॥जूनिकुलुनियदाकिंकृत्य॥यजमानस्यजूम्

कृकार्यजूनिस्कायनसमूहकृनम्नु॥ॐमयिगृह्णाम्यग्रेजूनि०
नायशायायसयुजास्वायसवीर्यः॥मामदेवासवकाठस्व
स्तिचरु॥ॐस्वस्तिनामित्रिमिणा॥॥वाङ्मनसकृतिवाचनंय२०॥ॐ
मर्म्मानितवकाम्याछादयामिसामत्वाराजामृणानावक्ताऽमा
द्यैर्यादवृणकृतूलोमुयकृत्वानदवामर्दन्तु॥रुद्रनलजूनि
उक्षाजु॥ॐयूक्षादिविवृक्षानिवृथिवीवृक्षाविष्णोजासधीवादि
वशःविष्णोनरसहसावृक्षाःनिसनादिवासनिमृत्याउनक्॥जू
निसमूहनं॥जूनियदक्॥नमोजूक्रवाभन॥यूक्षादिवं॥ॐमृत्वे

दाय नमः स्वाहा ॥ ॐ यजुर्वेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ सामवेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ अथर्ववेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ अथर्वाङ्गिरसेभ्यो वेदेभ्यो नमः स्वाहा ॥ ॐ इतिहासपुराणाभ्यां नमः स्वाहा ॥ ॐ वेदाङ्गेभ्यो नमः स्वाहा ॥ ॐ आयुर्वेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ धनुर्वेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ गान्धर्ववेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ स्थापत्यवेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ असुरवेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ भौतिकवेदाय नमः स्वाहा ॥ ॐ प्रणवाय नमः स्वाहा ॥ ॐ सावित्र्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ सरस्वत्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ लक्ष्म्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ उमायै नमः स्वाहा ॥ ॐ दुर्गायै नमः स्वाहा ॥ ॐ सीतायै नमः स्वाहा ॥ ॐ अरुन्धत्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ शच्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ अहल्यायै नमः स्वाहा ॥ ॐ मन्दोदर्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ तारायै नमः स्वाहा ॥ ॐ द्रौपद्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ कुन्त्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ तारायै नमः स्वाहा ॥ ॐ रेवत्यै नमः स्वाहा ॥ ॐ

जरत्कारवे नमः स्वाहा ॥ ॐ आस्तीकाय नमः स्वाहा ॥ ॐ शमीकाय नमः स्वाहा ॥ ॐ गौरमुखाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कौण्डिन्याय नमः स्वाहा ॥ ॐ मित्रवसवे नमः स्वाहा ॥ ॐ श्वेतकेतवे नमः स्वाहा ॥ ॐ उद्दालकाय नमः स्वाहा ॥ ॐ याज्ञवल्क्याय नमः स्वाहा ॥ ॐ शाण्डिल्याय नमः स्वाहा ॥ ॐ लौगाक्षये नमः स्वाहा ॥ ॐ मैत्रेयाय नमः स्वाहा ॥ ॐ काहोलये नमः स्वाहा ॥ ॐ कौशीतकये नमः स्वाहा ॥ ॐ सुपर्णाय नमः स्वाहा ॥ ॐ शाकटायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ पैङ्गलये नमः स्वाहा ॥ ॐ भागुरये नमः स्वाहा ॥ ॐ पैप्पलादाय नमः स्वाहा ॥ ॐ सुमन्तवे नमः स्वाहा ॥ ॐ गार्ग्याय नमः स्वाहा ॥ ॐ सौकायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ

सुकेशाय नमः स्वाहा ॥ ॐ शैरिषाय नमः स्वाहा ॥ ॐ महाकौशिकाय नमः स्वाहा ॥ ॐ गार्ग्यायणाय नमः स्वाहा ॥ ॐ वात्स्यायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ पुष्कलायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ माठराय नमः स्वाहा ॥ ॐ मौद्गल्याय नमः स्वाहा ॥ ॐ पिप्पलायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ सैन्धवायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कात्यायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कालायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कृतश्रमणाय नमः स्वाहा ॥ ॐ हारिद्रवाय नमः स्वाहा ॥ ॐ प्लाक्षायणाय नमः स्वाहा ॥ ॐ मैत्रायणाय नमः स्वाहा ॥ ॐ सावर्णाय नमः स्वाहा ॥ ॐ कण्वायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ खाण्डिकायनाय नमः स्वाहा ॥ ॐ

यमृगवाहनायवनाधिपतयेस्वाहा॥ॐकुबेरायगदाहस्तायजम्भ
वाहनायवनाधिपतयेस्वाहा॥ॐशूलाहस्तायत्रिशूलहस्तायवृष
वाहनायलोकाधिपतयेस्वाहा॥ॐऊर्ध्वविष्णवेचक्रहस्तायकूर्म्म
सनायनागलोकाधिपतयेस्वाहा॥ॐब्रह्मणेपद्महस्तायहंसवाह
नायस्वर्गाधिपतयेस्वाहा॥ॐस्वर्गायनमः॥ॐमर्त्याय
नमः॥ॐपातालायनमः॥ॐमध्यसमस्तदेवानांब्रह्मणेनमो
हिरण्यगर्भायहस्तायतीसमिन्द्रायवज्राधिपतयेन
मःॐक्षमस्वमेक्षमस्व॥ॐकंठाकारायनमःॐकंगूंशूलहस्याय॥ॐनथा

ष्ठदेवयजिसनूसर्व्वानूयूथाहिजागतःसऽगर्ष्टजक्व।सनवजागतः स
जनिष्कमानाप्रथजनोनेनिहजिसर्व्वानामुखः॥जूनिसंमुखीकृत
र्ं॥कूष्मांडे॥ॐब्रह्मतरुदमासनेनमः॥ॐयक्षीणायरुदमासनेनम
ः॥ ॥रुनिरासनं॥ॐहिरण्यगर्भसमवर्त्तताग्रेभूतस्यजातः
पतिरेकआसीत्सदाधारपृथिवीद्यामुतेमांकस्मैदेवायहविषाविधे
मः॥दक्षिणेब्रह्मस्थायनं॥ॐरुद्रविष्णुविचक्रम॥कूष्मांडनेत्र
क्षीरासनं॥ब्रह्मासिनयः॥ॐदवस्यत्वा॥यक्षीणांस्वर्कर्ं॥ॐयत्र
ष्ठवक्रुत्यसाजूतायानिहयेवक्रनिष्कासजागयः॥य
त्रर्ंछी॥ॐजनिसिंगासिसयनदक्षजिनिलावाजधायसेमार्ज

नं॥ कृष्णानसंमार्जनं॥ ॐ जूथाधिपतयेनमः॥ ॐ जूथाधिपतयेनमः॥ ॐ जूथाधिपतयेनमः

कर्मणः॥ ॥यथायथा विधिमकल्पकस्मार्च्चनं॥ ॥गणाजूर्ध्वयु
दासाधनं॥दक्षिलेयूपागजनंकमजूपाविरुछदनानिछ्यावि
नानिधाक्षणीयाजूपाश्रीस्थासीचतस्थासंमार्जनंकुशडूपायमनस
मिधश्चवजूपाग्निलगलुतयवरुपायूलूपाजडूवस्तमूधस्तणूयद
धरूपलेक्षस्थांजनक्षमडूपाखीहियाजोलदक्षिलावभावा॥ऊँदवस्य
त्वा॥जूपयूर्दं॥ऊँयाएयाएगतवसंवाजंवाजरुवामुरुसखा
स्वन्नमूरुय॥त्रिधान्निजालंरुनंयूपेणू॥ऊँयत्रिरुस्थावेस्नुधोरु
विरुवयसवडत्यूनानिछिदायाविरुसूर्यास्यनासिरुधा॥यविं

गुछदनं॥ऊँविष्णुस्तादमसिविष्णुनप्त्राविष्णुस्यूरसिविष्णुध्रुवासि
वैष्णवमसिविष्णवेत्वा॥यविरुवंधनं॥जूर्ध्वयाग्निधाय॥ऊँदवस्यत्वा
सवितु॥धारुवीजूपारुवं॥ऊँयत्यूरुवेवरुपायूलूपाजूपायाधनि
रूपयागवरुनिरूपाजूपायाश॥युगर्थलं॥ऊँजूनिमिषासिसपाशेक
डाजिनित्वावाजंधाम्येसंमार्जनं॥संमार्जनं॥ऊँजूपाथाकिस्कामशीर
षन्॥जूहिमायूपलं॥ऊँदवीपाथाजूनेनुवाजूनेयूवाजूनेंमः
मथ्यायज्ञनयनेयज्ञपतिरुसंधाम्येयज्ञं॥किंदवयूपं॥ऊँयाज्ञा
यलं॥ऊँयूपायूलूपावृनीनवृक्तूर्ध्वयूपायमिडमवृनीधवृक्तू

र्यथा ॥ दिशा स्कां नू नि नयं ॥ ॐ सवितुस्त्वा यसवउत्पु नामि ॥ क्षुद्रः
णय विष्णवे सूर्यस्य त्वा मि रुचा ॥ ॐ अग्नि सिंचनं ॥ ॐ सवितुर्वसवउत्पु नाना
मि ॥ क्षुद्रणय विष्णवे सूर्यस्य त्वा मि रुचा ॥ आत्मा मस्यूर्ज्जा ॥ ॐ देवस्याय
कर्मि लेशुं धर्मं देव ऋ ऋ ॥ अयश्चाग्नेऽस्य विद्वा ४ यवाज स्मि देवस्त्वष्टा
मि ॥ सह वसुय विष्णवे ॥ सूस्त्वा दधीऽग्नी कृतु युषी मया
मध्वा नि धाय ॥ ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ ऋ ऋ स्थाली चरु स्थाली ऋ स्यू
र्ध्वा ॥ युषी मयरू ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ ऋ स्यूर्ध्वा ॥ ॐ ऋ त्यू ४ वरु
॥ ऋ स्यूर्ध्वा ॥ ॐ ऋ नि सिंचा मि ॥ सं मार्ज्मि ॥ ॐ मही नां यया

सिवर्ष्मा दाऽसि वर्ष्मा मदि वृक्ष्या सि कनी कय कृ दाऽसि वर्ष्म
न्मदि ॥ ऋ ग्यै स्थाली मार्ष्मि नि धाय ॥ नमश्चरु विधा नं ॥ ॥
ॐ धान्य मसि नि हि दवा ग्ने ऽस्य स्त्वा दा नाय स्त्वा यो नाय स्त्वा दी
र्घामनू ऽसि नि मानू ष धा दवा ४ स वि मा हि वश्चया नि नाय नि
गृह्णा त्वा ऽद्भ्य स्त्वा नि नाय दृ ष त्वा म ही नां यया ऽसि ॥ नमु स्तु
रु द्रा ॥ ॐ ऋ दि त्ये नास्त्वा ऽसि विष्णो ध्यास्त्वा ऽ स्त्वा दङ्क नस्त्वा च रु
षा वय न्ध्वा ऽसि ॥ नमु स्तो नि वृ दे ॥ ॐ ऋ त्वा नृ सिवा ध्वा ऽसि
ऽ नां दव वी नय स्त्वा गृह्णा मि ॥ ऽ दू ऽ स न नमु स्तो नि धाय ॥ ॐ

वृक्षाद्रावासिवानद्यस्यैसकूर्दंदस्याहवि॥मृणालमादाय॥ॐगमी
ष्यसूसिंगमिष्यैहविष्कृणुहिहविष्कृणुदहि॥मृणालंडदूसला
ष्यैॐकक्कसिमधूजिकुंवमूर्जामादत्वयावयंघाग
ठसंघार्गं॥कूठनंॐभवर्मवर्द्धमसिवसिलार्वर्सवर्द्धवक्ष॥गंडूलं
सूर्थनिधायं॥ॐयमायगंधद्वारांदुराधर्षांनित्यपुष्टांकरीषिणीं॥ईश्वरीं
॥ॐजयंतंवक्षाह्यूर्ध्वविनंतु॥स्कंध्यंनिधायं॥२॥ॐदधा
वंसविताहिरण्ययाणिंयातंपृक्षलक्षुद्रणयासिना॥गदंतमस्य
दर्शं॥ॐदयस्यैसंधर्षं॥किंचिल्लंकिंय०॥गायास्यंकीर्तयं

तंडूलंनिधायं॥चंदनादियूजयतं॥ॐत्र्यंबायनमः॥ॐरुद्रजा
यं२॥ॐविश्वमिताय२॥ॐयमदग्नेय२॥ॐवशिष्ठाय२॥ॐकश्य
पाय२॥ॐअत्रयं२॥ॐभरद्वाजं२॥ॐविष्णु२॥ॐमरुद्भ्यो२॥ॐप्र
जापतयेत्वदंगानिन्यासिविश्वंभूतानिपतिमात्मन्वंयंकामाकूय
कृमस्तंनाऽस्त्वयंस्वामयंतंयानयोनां॥यविष्ठंपृंडीलं॥ॐगूर्ध्व
लोंजलावायवंदंवांवंसतिनयोर्यंयंत्रंरूपमायकर्मंणाऽऽशा
यंधमद्यांगूंदायतांगंवजावीरुणमीवाऽयंदुमामावस्तनंधीरा
णमाघनंवसाधुवाऽसिनूंस्नायतोस्यावनद्धीर्यंसानस्यंयमून्योः॥
ज्यास्थासीवनेस्थातीजूनिकृजूधिणयनं॥ॐजूयंहतोऽसूना

यज्ञाऽभिधदिमदः॥ॐ अपूपान्नित्रमिश्रमाज्यसूनाः सगः स्वधा
याचयति॥यवायुधानियूथरुद्रस्य॥निर्दांसाकात्यसूदायस्वाहा॥
॥दूतोनावधानिनं॥यज्ञाऽथ॥यूनर्नोनधानिजा॥ॐकवासिम्
निहवसामंदानमंधसः॥जुहियधन्नंधनानिबिभ्रतं॥ॐदुनीहरं
नासत्या॥यनिजन्निकनर्नं॥ॐदवत्यति॥ध्रुवड्विजूर्यदूर्णं॥ॐ
आगानमिन्दुमविनानमिन्दुःकवंकतमःकवःसूनमिन्दुंकयामिमार्ं
यूयूदूनमिन्दुःस्वस्तिनामघवाक्षत्यन्दुः॥ध्रुनड्विजूर्यदूर्णं॥ॐ००
थत्वोऽयति॥ध्रुवेनशावनाकर्णंडविनाचनमासादनं॥ध्रुवायूयो
नकिलयूवनाभिमन्यूकर्णं॥ॐसविदुर्ल्लोदुमथमून्यूनाम्यक्षिदुन
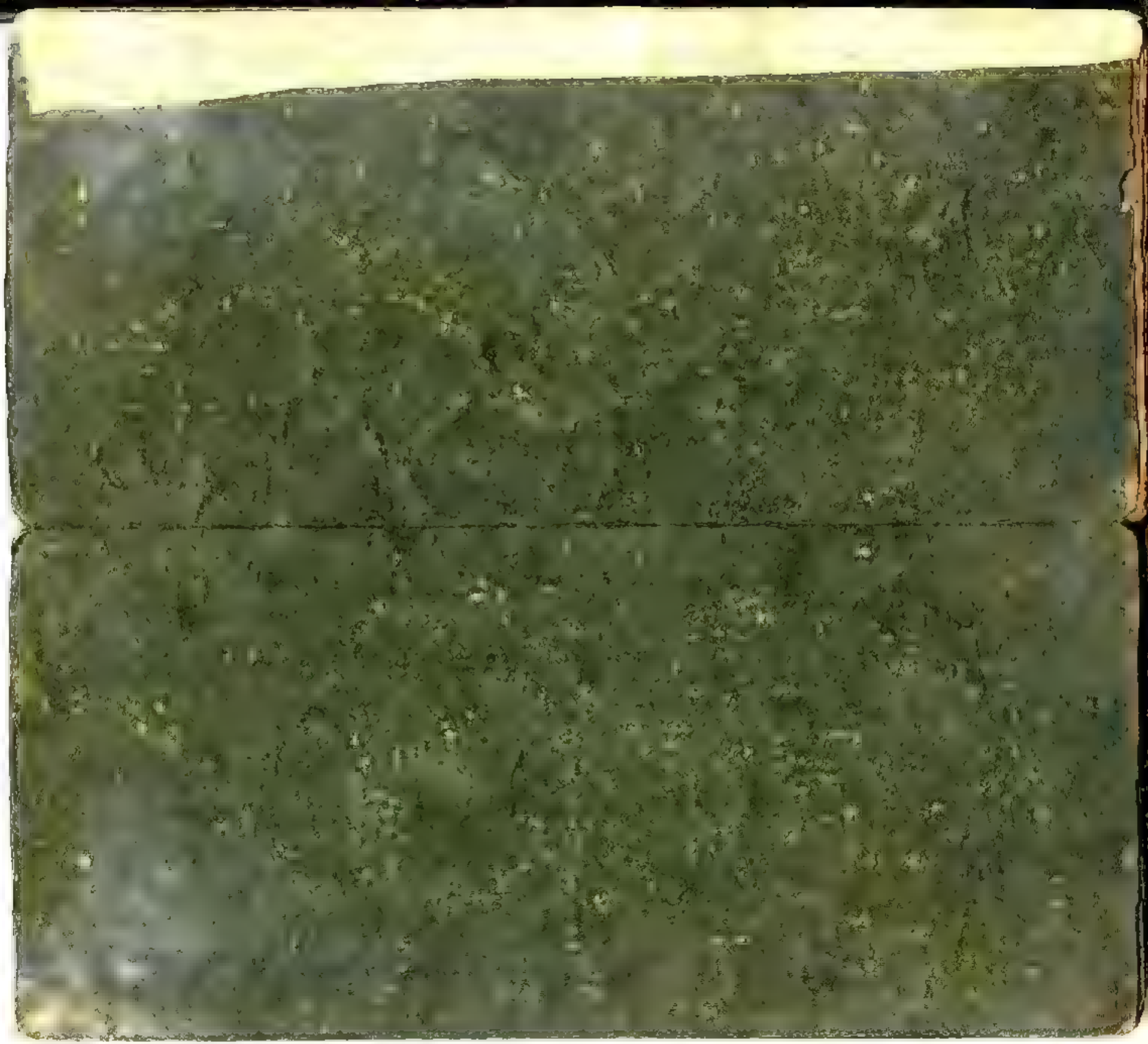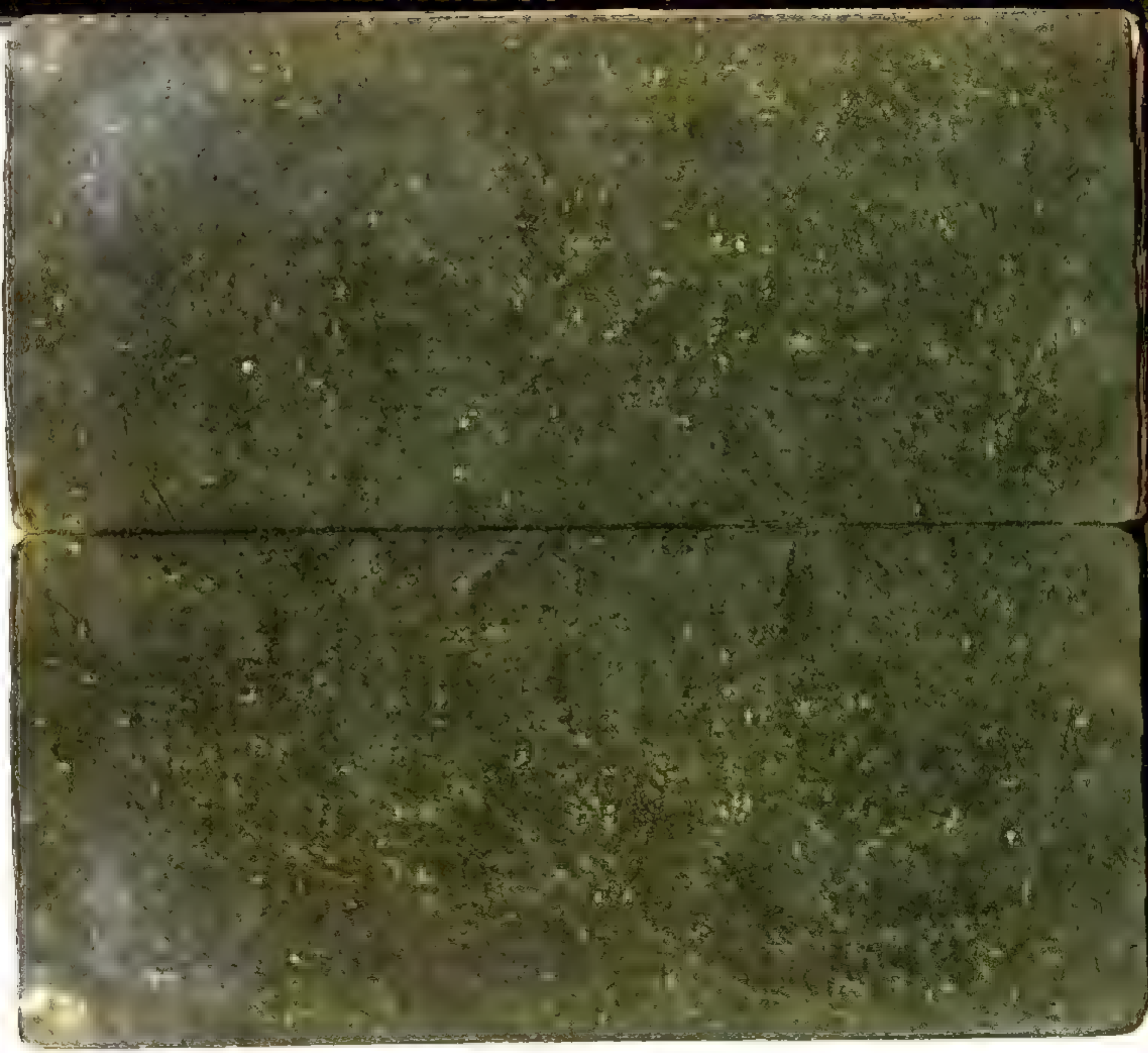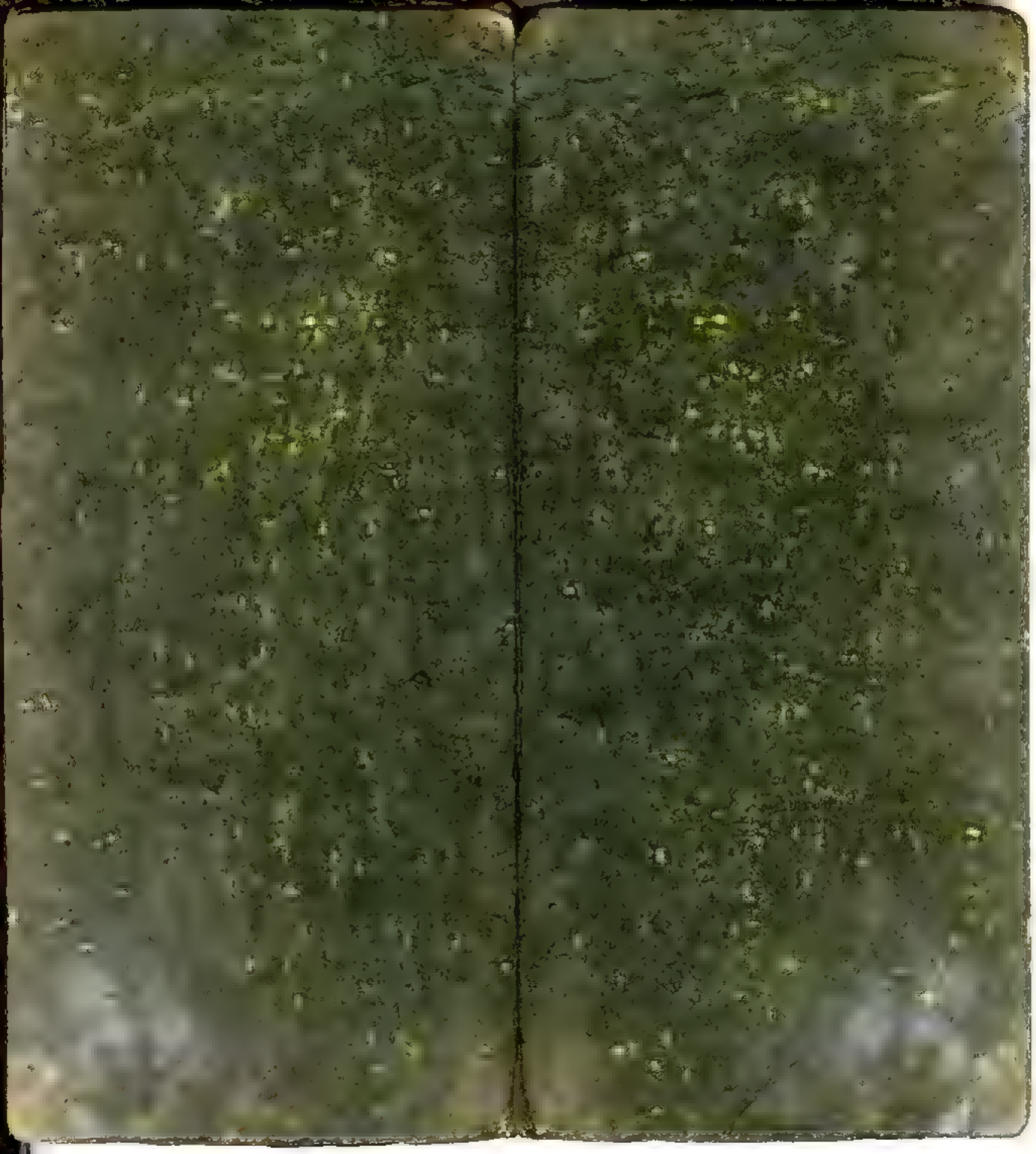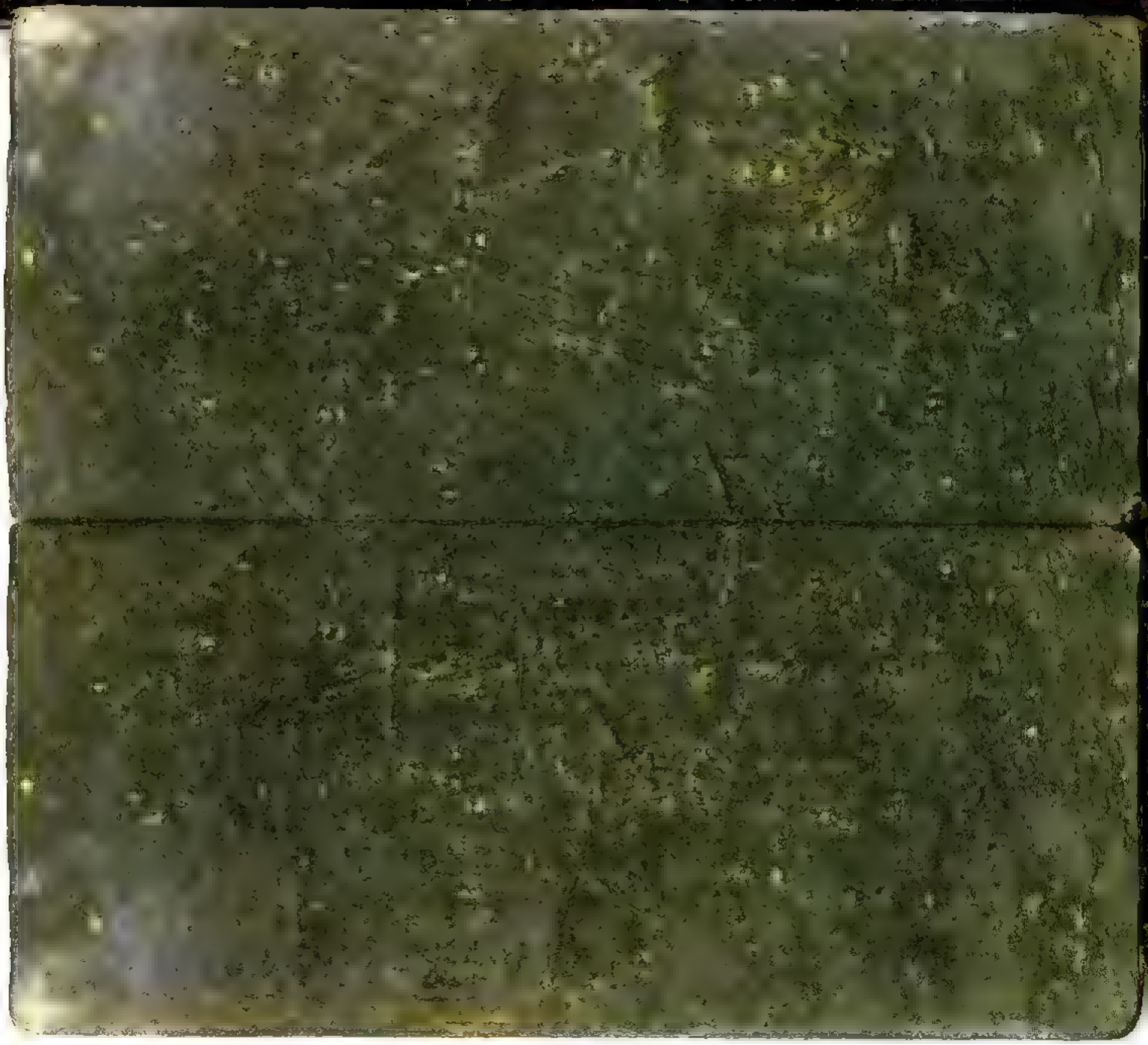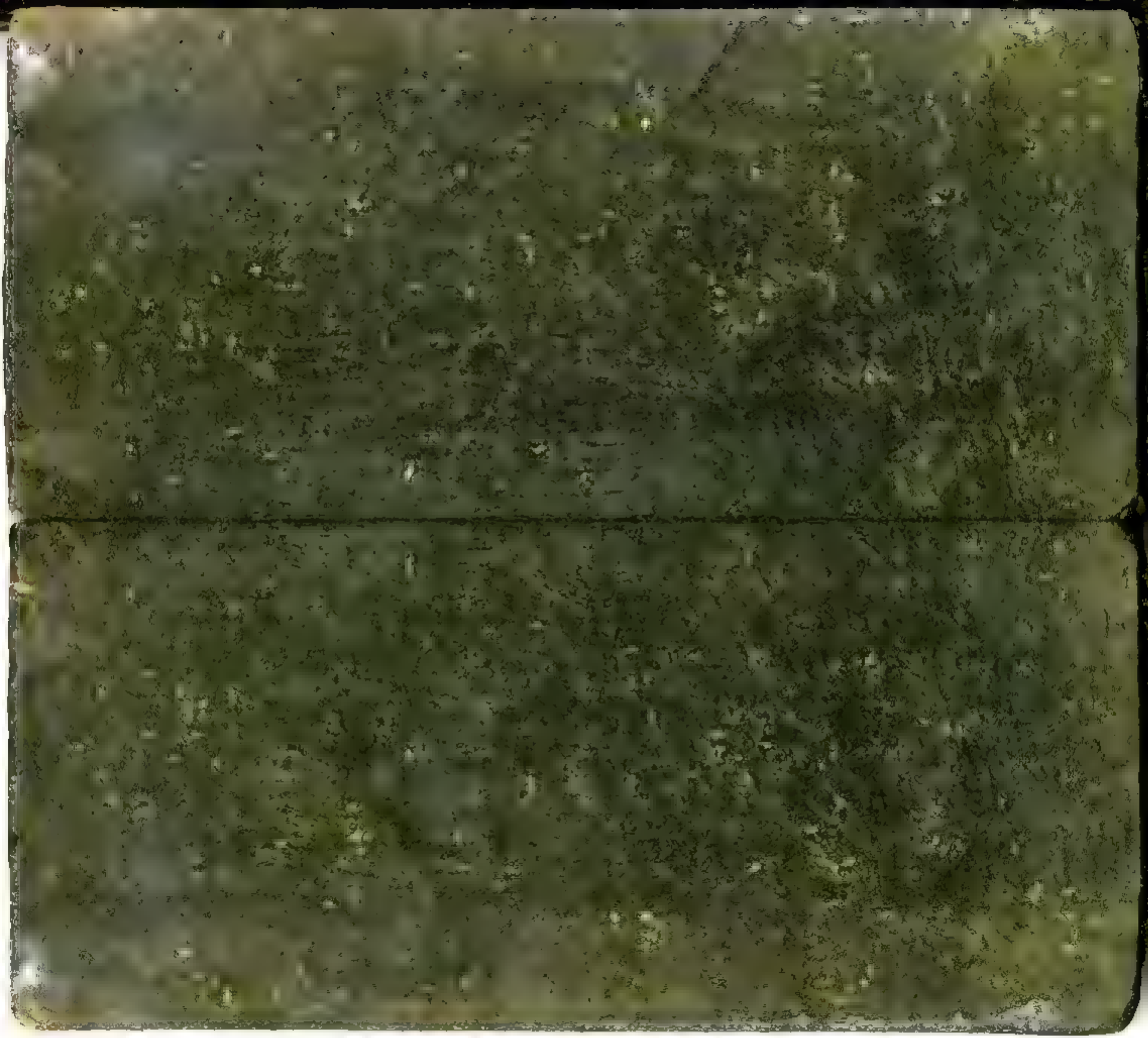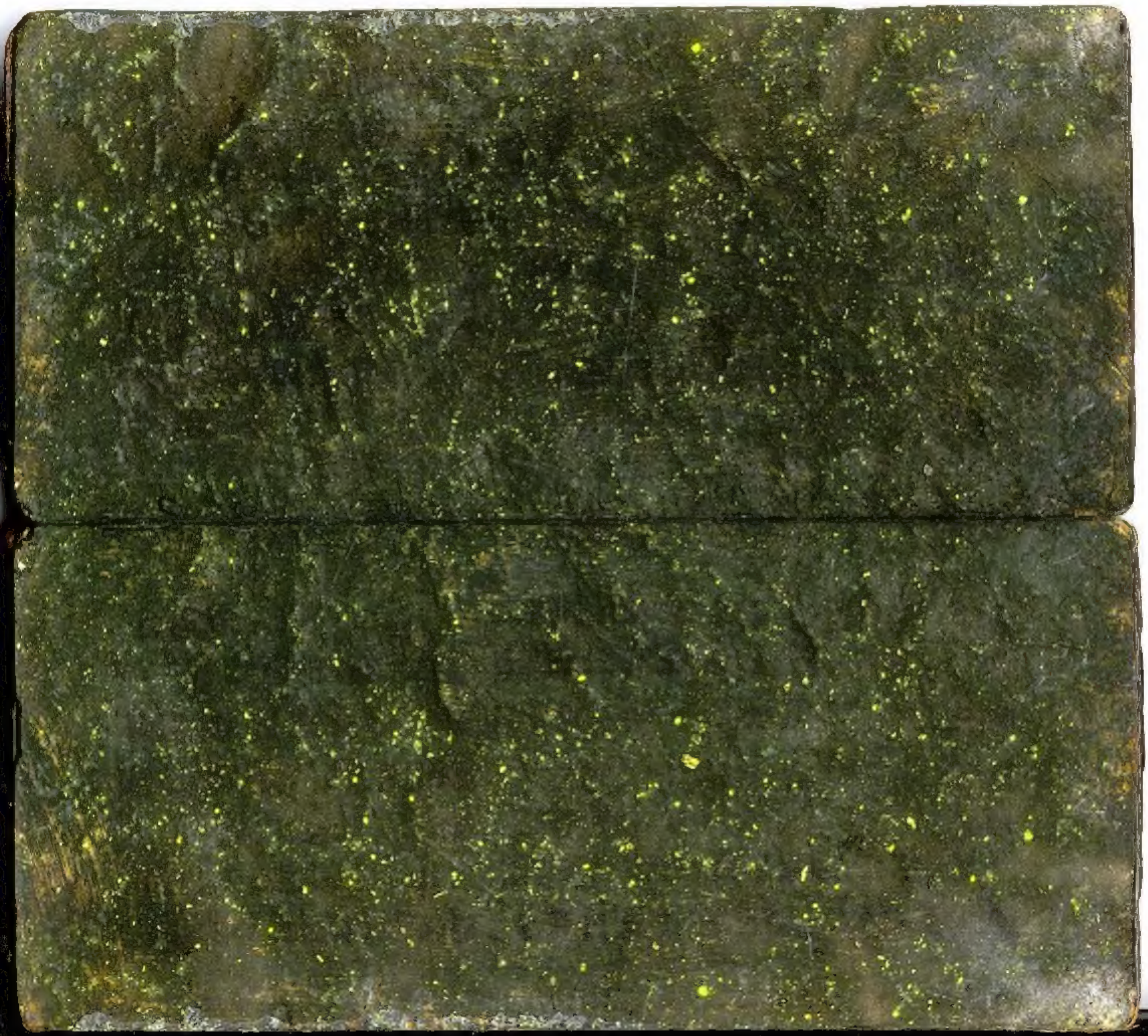
अश्वाल्यवनमत्यवनासंश्यवनंचा॥ॐसविदुर्ल्लोदुमगवउलूनाम्यक्षिदुन
यतिष्ठनस्यंत्यवनिमिश्रिः॥आलाभ्यूर्णं॥ॐगजासीति॥आश्वं
र्णं॥यविष्ठन्तनिनाश्वाघनंनमूर्जनाः॥आर्जुनीतंलंयूवनं॥
नयू॥ॐयविष्ठाऽन्ति॥उदकंलायूवर्णं॥ॐवीदंमाथाऽग्रेगुवाऽग्रे
यूवाऽग्रेऽन्मनश्यन्नयनाग्रेयऽयतिःसूधाऽयश्चयतिंद
वयूवं॥ग्रोक्षनर्णं॥ॐयूषाऽन्तुवृणीमवृऽथेयूयमिन्दुमवृणी
ध्वंवृऽतृथेआदित्यकः॥यूदिमनतृथे॥ॐऽजन्त्यलोयूधंवाऽवा
स्यन्तिवासामार्यांलायूधंवाऽवामि॥अन्तिषदं॥ॐऽवाऽस्यवमश्वा
ऽग्नेयलायूधंवाऽवामिवदितिऽत्यलायूधंवाऽवानि॥सवाऽवऽ
र्णं॥ॐन्नाऽहदवति॥अन्तिकुण्डिपिछदक्षिणीकृत्य॥ॐअदितये